Exam. Code : 216301
Subject Code: 5402

M.A. Hindi 1st Semester (Batch 2021-23)

ADHUNIK HINDI KAVYA

(Divediyugin Evam Chhayavaad)

Paper—I

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

सूचना :— प्रत्येक खण्ड से अनिवार्यत: **एक** प्रश्न का उत्तर देते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। पाँचवा प्रश्न विद्यार्थी किसी भी खंड में से कर सकता है।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित काव्य अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :—

(अ) कह विहग, कहाँ है आज आचार्य तेरे ?
विकच वदन वाले वे कृती कान्त मेरे ?
सचमुच 'मृगया में ?' तो अहेरी नये वे,
यह हत हरिणी क्यों छोड़ यों ही गये वे ?

(ब) घूमने का मेरा अभ्यास बढ़ा था मुक्त-व्योम-तल नित्य,
कुतूहल खोज रहा था, व्यस्त हृदय सत्ता का सुन्दर सत्य।
दृष्टि जब जाती हिमगिरि ओर प्रश्न करता मन-अधिक अधीर,
धरा की यह सिकुड़न भयभीत आह, कैसी है ? क्या है पीर ?

8+8=16

2. निम्नलिखित काव्य अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :—

(स) आई थी सखि, मैं यहाँ लेकर हर्षोल्लास,
जाऊँगी कैसे भला देकर यह नि:श्वास ?
कहाँ जायेंगे प्राण ये लेकर इतना ताप ?
प्रिय के फिरने पर इन्हें फिरना होगा आप।

(द) कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-घाम,
हाथ जिसके तू लगा,
पैर सिर रखकर व' पीछे को भगा। 8+8=16

खण्ड—ख

3. 'साकेत' महाकाव्य में चित्रित युगीन आदर्श की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 16

4. 'साकेत' महाकाव्य के नवम् सर्ग का काव्य-वैभव उद्घाटित कीजिए। 16

खण्ड—ग

5. 'कामायनी' महाकाव्य के दार्शनिक पक्ष की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 16

6. 'कामायनी' की रूपक योजना पर प्रकाश डालिए। 16

खण्ड—घ

7. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की प्रगतिशील चेतना की समीक्षा कीजिए। 16

8. 'शोकगीत' के रूप में 'सरोज स्मृति' का मूल्यांकन कीजिए। 16